

१ सुदगुमं स गं जा द गी पुं २ छुं १० क बा य म निर्म स ग स व
 २ साइ इ पुं २ छुं ६ सा ता ग ल न क ल पु न या द ७ थू क या स
 हा न ज थि जा थि हा द या म द या धन स र्तिं ६। उ र्मा ॥ ३२ ॥
 रा पा द्मी १ दू छु या द सा य १ क लिल ल ख प १ ना प छुं ६ ध सान
 त्व स म व द्वा य स व य क स र्ति न क ता ता हा या व नि क डा स्य
 वा ये व ॥ ३३ ॥ निम क व ता ना सा य १ छुं ६ ध सान मा उ स

अशा अर

ASHA A

1.059

१ विष्णु पञ्चभाष्यक ॥
 २ भवनविद्यातटिका
 ३ निरुपविकाल पञ्चना
 ४ पूरुतिथाग
 ५ पञ्चनाय
 ६ विपति कचरु
 ७ पुवाससम् एखर्वद
 ८ सखर्वद ॥



सद्यदानविय ॥
 मदाकालयुजा
 कर्नखसहाजा
 सद्यदान
 समानससगत
 ॐ हृदयतायुजा
 खेळु सद्यविय
 समानससगत ॥

अकाय (ग) गति वत्सा न ह तीयषष्ट ला (लोचन) रु लमिर्दसद दगिना
 दू ॥ आरुविता कृति कुव धनधान्यो लार्त्त स्त नानि व द्विविविधमपि व प्र धन
 ॥ नाद्र हिंसाया ॥ ॥ सफा द्विपथ दशमाष्टन व द्विपन्ना नाद्र धन निव उ
 ठर्नमूयति कू यति ॥ ॥ नीविपू व द्विस्व अर्थनाग नाग पुवासगमर्ण म
 नर्णवकू यति ॥ नाद्र ॥ ॥ ॥ शमकि स ॥ खे स ३ ष सुग साई १०
 धन स नाद्र वेनसा अमीलारु दयू धनलारु ११ धलारु दयू ॥ ॥

१ साकसनायशयिव॥
 २ धननाश॥
 ३ यागीशयिव॥
 ४ कार्कनाश॥
 ५ लीकनरु॥
 ६ शमुप्रदानमरु॥
 ७ शक॥ सनाय॥
 ८ असहानिशयिव॥
 ९ कनरुवायलय॥ ॥



१ वाचसदानविय॥ ॥
 २ ग्रहपतिविय॥
 ३ कनातदानविय॥
 ४ धानलषुसषान॥
 ५ शिवकपधमन॥
 ६ लखसवलि॥
 ७ कलीखसहाजा॥
 ८ आगमसयुजा॥
 ९ लखकालेयुजेक॥

१ कंठुहतीय छुहकयदिष्टला॥ १० ॥ काद॥ शवविजयार्थजसासिन्धु॥
 ॥ नित्यसुखमुं धनकाशनवमुलारि॥ कय्यसिखसु धनवान्धवसंप्रयाग॥
 कंठुहिन्यया॥ ॥ उत्सादिपथनवमारिचुर्थला॥ ११ ॥ सफाकभवद
 सभवकनातिपीज॥ व्याधिप्रवृद्धिनिपूतापमयासुक्यति॥ नष्टमर्तिवम
 नष्टानिरुयवक्यति॥ कंठुनतिन्यया॥ ॥ स्वसुखसुखधमकिस
 ॥ श्वरसकंठुवनसा॥ कीकार्कयोतसर्ना॥ लायव॥ असलारुदयूव॥ वसु
 लारुदयू॥ धनलारुदयूव॥ ० ॥

१ श्रीगुरुकाण्डमतीवदू० खे० विषाहयं येव पुना व कष्ट० वनध्यदकुपि निक
थदाह० पिशचपीठायुवद निरूया॥ ॥ धनिया नाग० मासाकवयू० क
दयिव० चना० गू० पाद० कीडव० ड० उ० स्याक० ककुड० दया० कतिडाइ० पून
नकव० मंग्व० ॥ सुहाकड० तंठइ॥ ॥ तिथि० जू० मी० जू० मावासी॥ ॥ ग
रु० नाइ० कंरु॥ वला० नसवास॥ ॥ धया० निविधि॥ तेववसक० हिद
सवा॥ महाकालस० सवा॥ वूयासि० माकस० रुगया० कूकिनीपवास० गंज

धून ॥ रविसि सवा ॥ पीठिस सवा ॥ रुगवती सकरिह सवा ॥ खात्री १ मात ॥ को
 मात्री स ॥ सवा ॥ नाखन स सवा ॥ समान स सगत ॥ मिखात्र स दूज हाय दूज १८
 क १८ इ इ खात्र ॥ धन स स्मरुव गि नागिदिन ५ ॥ ॥ धर्मिया ॥ श्रीमानदी
 गहासी ॥ वनाव १० ॥ १२ ॥ १३ ॥ ८ ॥ वाध ॥
 खसिहादा ॥ वागल ॥ खनदा ॥ द्रवन ॥ वनदा ॥ व
 अछुईरुमीदा ॥ तिहु दूददा ॥ धननदादा ॥ वंक
 स्ववाद सवा ॥
 विनंगनद ॥
 लिसखनदा ॥

दाइ ॥ वयानाग स दूज हाय ॥ दूज एक ॥ इ इ खात्र ॥ ॥ कनयानकाया
 व ॥ कयानवित्रसा ॥ नाना गाय ॥ पाद ८ ॥ पू ८ स ॥ यथादय ॥ ना ॥ दा ॥ अदूपनार्थ
 सपूदवव ॥ ० ॥ स्वपूचिका ॥ गधादायू २ खंदाधर्क ॥ सिक ॥ समान ॥ दे
 १० ॥ लखगल ॥ जिथिमिसा ॥ धन निव ॥ ॥ धनविना ॥ सिजन ॥ न
 हाककायन ॥ ना ॥ दा ॥ वनथ ॥ म्वात ॥ धर्मिया ॥ धन दूरीदयादयव ॥ ॥
 मनु ॥ उं ऊं डी डूं नैम त्याहि मखाय ॥ डी डी डी खाहा ॥ ३० ॥ ॥ निअ
 वग्नसमाफ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥